Hindi Sparsh 2

PADIKAM LEARNING CONTENT
PADIKAM
कोस B
स्पश भाग-2
का 10 अध्ययन नोट्स
14 पाठ
युक्तयुक्त वतमान पाठ: 14 किवता और गद्य-पाठ।
Padikam की व्याा स्वतंत्र रूप से िलखी गई है। NCERT पुस्तक का उपयोग केवल पाठ-क्रम, मानक शावली और अध्ययन-सीमा के िलए िकया गया है।

िवषय-सूची
01 कबीर - साखयाँ 08 बड़े भाई साहब
02 मीरा - पद 09 डायरी का एक पा
03 मैथलीशरण गुप्त - मनुष्यता 10 ततााँरा-वामीरो कथा
04 सुिमत्रानंदन पंत - पवत प्रदेश म पावस 11 तीसरी कसम के िशल्पकार शैलद्र
05 वीरेन डंगवाल - तोप 12 अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले
06 कै फ़ी आज़मी - कर चले हम िफ़दा 13 पतझर म टूटी पियाँ
07 रवीद्रं नाथ ठाकु र - आत्मत्राण 14 कारतूस
कै से पढ़
पहले सरल समझ पढ़, िफर याद रखने योग्य िबंदु बोलकर दोहराएँ और अंत म िबना देखे परीक्षा अभ्यास िलख।
आिधकारक पुस्तक ोत
https://ncert.nic.in/textbook.php?jhsp1=0-14

पाठ 1
कबीर - साखयाँ
सरल समझ
कबीर अनुभव, प्रेम, आत्मिनरीक्षण और मधुर वाणी को बाहरी आडंबर से ऊपर रखते ह।
याद रखने योग्य परीा अास
मनुष्य को बुराई पहले अपने भीतर खोजनी चािहए। दो साखयों का भावाथ िलखए।
ान िवनम्रता और व्यवहार म िदखाई देना चािहए। कबीर की भाषा और संदेश की िवशेषताएँ
बताइए।
दोहा कम शों म तीखा जीवन-सत्य देता है।
एक-पं पुनरावृि मनुष्य को बुराई पहले अपने भीतर खोजनी चािहए।

पाठ 2
मीरा - पद
सरल समझ
मीरा कृ ष्ण को अपना सवस्व मानकर भक्त, समपण और सांसारक बंधनों से मुक्त की आकांक्षा व्यक्त करती ह।
याद रखने योग्य परीा अास
भक्त व्यक्तगत और िनभय है। मीरा कृ ष्ण से ा प्राथना करती ह?
दास्य और माधुय भाव साथ आते ह। पदों म समपण भाव स्पष्ट कीजए।
राजानी-ब्रज िमिश्रत भाषा म संगीतात्मकता है।
एक-पं पुनरावृि भक्त व्यक्तगत और िनभय है।

पाठ 3

मैथलीशरण गुप्त - मनुष्यता
सरल समझ
किवता परोपकार, सहानुभूित और साझा िहत को सी मनुष्यता का आधार बताती है।
याद रखने योग्य परीा अास
के वल अपने िलए जीना मानवीय आदश नही ंहै। किव मनुष्य को िकस प्रकार जीने की प्रेरणा देता है?
महान व्यक्त दूसरों के िहत म त्याग करते ह।
मनुष्यता का क द्रीय संदेश िलखए।
प्रेरक संबोधन किवता को आान बनाता है।
एक-पं पुनरावृि केवल अपने िलए जीना मानवीय आदश नही ंहै।

पाठ 4
सुिमानंदन पंत - पवत प्रदेश म पावस
सरल समझ
वषा ऋतु म पवतीय प्रकृ ित के लगातार बदलते रूपों को दृश्य और ध्विन-बिंबों म प्रस्तुत िकया गया है।
याद रखने योग्य परीा अास
पवत, झरने, बादल और तालाब मानवीकृ त िदखाई देते ह। िकसी दो प्रकृ ित-बिंबों की व्याा कीजए।
क्षण-क्षण बदलता दृश्य प्रकृ ित की गितशीलता िदखाता है। मानवीकरण का प्रभाव बताइए।
िचत्रात्मक भाषा किवता की प्रमुख शक्त है।
एक-पं पुनरावृि पवत, झरने, बादल और तालाब मानवीकृत िदखाई देते ह।

पाठ 5
वीरेन डंगवाल - तोप
सरल समझ
पुरानी तोप सा और िहंसा के बीते आतंक का प्रतीक है, िजसे वतमान का साधारण जीवन िनष्प्रभावी कर देता है।
याद रखने योग्य परीा अास
दमनकारी शक्त ायी नही ंहोती। तोप का प्रतीकात्मक अथ िलखए।
बे और िचिड़याँ जीवन की सहज स्वतंत्रता के प्रतीक ह। किवता के अंत म बों की भूिमका ा है?
व्यंग्य इितहास के भय को छोटा कर देता है।
एक-पं पुनरावृि दमनकारी शक्त ायी नही ंहोती।

पाठ 6
कै फ़ी आज़मी - कर चले हम िफ़दा
सरल समझ
सैिनक देश की रक्षा का दायित्व अगली पीढ़ी को सौंपते हुए बिलदान, साहस और एकता का संदेश देते ह।
याद रखने योग्य परीा अास
देशप्रेम िजेदारी है, के वल भावना नही।ं “अब तुारे हवाले वतन” का आशय िलखए।
बिलदान भिवष्य की सुरक्षा के िलए है। किवता म सैिनक का भाव स्पष्ट कीजए।
गीतात्मक लय सामूिहक संकल्प बनाती है।
एक-पं पुनरावृि देशप्रेम िजेदारी है, केवल भावना नही।ं

पाठ 7
रवीद्रं नाथ ठाकु र - आत्माण
सरल समझ
किव संकट हटाने के बजाय उसे साहस, सत्य और आत्मबल से सहने की शक्त माँगता है।
याद रखने योग्य परीा अास
प्राथना िनभरता नही,ं आंतरक शक्त की खोज है। किव ईश्वर से ा नही ंमाँगता?
दुख म भी िवश्वास और कम बना रहना चाहए। आत्मत्राण का अथ और संदेश िलखए।
िवनम्र संबोधन म दृढ़ आत्मसान है।
एक-पं पुनरावृि प्राथना िनभरता नही,ं आंतरक शक्त की खोज है।

पाठ 8
बड़े भाई साहब
सरल समझ
दो भाइयों के स्वभाव, पढ़ाई और खेल के माध्यम से अनुभव, अनुशासन, ेह और िशक्षा-पद्धित पर हास्यपूण दिष्ट िमलती है।
याद रखने योग्य परीा अास
बड़े भाई का कठोर उपदेश िजेदारी और असुरक्षा दोनों से बड़े भाई साहब का चरत्र-चित्रण कीजए।
आता है।
कहानी िशक्षा-पद्धित पर ा िटप्पणी करती है?
छोटा भाई सहज बुद्ध और खेलिप्रयता का प्रितिनिध है।
अंत म पतंग दोनों के भीतर के बे को िमला देती है।
एक-पं पुनरावृ बड़े भाई का कठोर उपदेश िजेदारी और असुरक्षा दोनो ंसे आता है।

पाठ 9
डायरी का एक पा
सरल समझ
26 जनवरी 1931 के कलका जुलूस और औपिनविशक दमन का प्रत्यक्ष िववरण राष्टीय आंदोलन म जनसाहस िदखाता है।
याद रखने योग्य परीा अास
डायरी घटना को ितिथ, ान और प्रत्यक्ष अनुभव से िवश्वसनीय डायरी-विधा की िवशेषताएँ बताइए।
बनाती है।
जुलूस म जनभागीदारी का वणन कीजए।
मिहलाओं और सामान्य नागरकों की सिक्रय भागीदारी
महत्वपूण है।
दमन के सामने शांत साहस उभरता है।
एक-पं पुनरावृ डायरी घटना को ितिथ, ान और प्रत्यक्ष अनुभव से िवश्वसनीय बनाती है।

पाठ 10
तताँरा-वामीरो कथा
सरल समझ
अंडमान की लोककथा प्रेम, सामिाजक रूिढ़, त्याग और समुदाय के परवतन को जोड़ती है।
याद रखने योग्य परीा अास
तताँरा और वामीरो का प्रेम कठोर परंपरा से टकराता है। कथा म रूिढ़ का प्रभाव िलखए।
त्रासदी समुदाय को अपनी व्यवा पर पुनिवचार कराती है। तताँरा का चरत्र-चित्रण कीजए।
लोककथा इितहास से अिधक सामूिहक ृित और मूल्य सँजोती
है।
एक-पं पुनरावृ तताँरा और वामीरो का प्रेम कठोर परंपरा से टकराता है।

पाठ 11
तीसरी कसम के िशल्पकार शैलद्र
सरल समझ
गीतकार शैलद्र के संवेदनशील व्यक्तत्व और िफल्म-िनमाण के आदशवादी संघष का िचत्र प्रस्तुत होता है।
याद रखने योग्य परीा अास
शैलद्र व्यावसियक सफलता से अिधक कलात्मक साई को शैलद्र की प्रमुख िवशेषताएँ िलखए।
महत्व देते ह।
तीसरी कसम को साथक िफल्म ों कहा गया
तीसरी कसम लोकजीवन और मानवीय करुणा से जुड़ी िफल्म है?
है।
आिथक असफलता कलात्मक महत्व को समाप्त नही ंकरती।
एक-पं पुनरावृ शैलद्र व्यावसियक सफलता से अिधक कलात्मक साई को महत्व देते ह।

पाठ 12

अब कहाँ दू सरे के दुख से दुखी होने वाले
सरल समझ
लेख आधुिनक जीवन म घटती संवेदना और प्रकृ ित से टूटते संबंध पर आत्मालोचन करता है।
याद रखने योग्य परीा अास
शहरीकरण मनुष्य और अन्य जीवों का साझा ान कम करता शीषक का आशय स्पष्ट कीजए।
है।
लेख म मानवीय संवेदना का संकट कै से िदखता
दूसरे के दुख को महसूस करना सभ्यता की कसौटी है। है?
छोटे प्रसंग व्यापक पयावरणीय प्रश्न उठाते ह।
एक-पं पुनरावृि शहरीकरण मनुष्य और अन्य जीवो ंका साझा ान कम करता है।

पाठ 13
पतझर म टू टी पियाँ
सरल समझ
दो प्रसंगों से लेखक आदश और व्यवहार के संतुलन तथा वतमान क्षण म शांत जागरूकता का महत्व समझाता है।
याद रखने योग्य परीा अास
शुद्ध आदश को व्यावहारकता से जोड़ा जाना चाहए। िगी के सोने का प्रतीक स्पष्ट कीजए।
िगी का सोना िमश्रण के कारण उपयोगी बनता है, पर मूल मूल्य झेन की देन का क द्रीय भाव िलखए।
खोना नही ंचाहए।
झेन अनुभव एकाग्रता और वतमान म रहने की िशक्षा देता है।
एक-पं पुनरावृि शुद्ध आदश को व्यावहारकता से जोड़ा जाना चाहए।

पाठ 14
कारतूस
सरल समझ
वज़ीर अली की िनभकता, चतुराई और स्वाधीनता-भाव अंग्रेजी सा को चुनौती देते ह।
याद रखने योग्य परीा अास
वह खतरे के बीच भी आत्मिवश्वास बनाए रखता है। वज़ीर अली का चरत्र-चित्रण कीजए।
कनल की बातचीत अंग्रेजों के भय को उजागर करती है। कारतूस शीषक की साथकता बताइए।
संवाद और भेष-परवतन नाटक म रोमांच पैदा करते ह।
एक-पं पुनरावृि वह खतरे के बीच भी आत्मिवश्वास बनाए रखता है।